

आजाद सिपाही



न्यूज रील्स

दिल्ली के होटलों की

सुरक्षा याक-यौंदं

नयी दिल्ली। दिल्ली के होटल विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के स्थान के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर ब्रिटेन के पीएम तक के लिए अलग-अलग होटलों में रुकने की व्यवस्था की जी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन हैं उन्हें वहाँ 400 कमरे बुक किये गये हैं। कौन कहां रुकेगा

राष्ट्रपति जो बाइडन: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन आइटीसी मीर्य के प्रेरिंडेशियल सुझौट में रुकने वाले हैं।

ब्रिटिश एग्रेमेंट सुनक: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री प्रधि सुनक शांगी ला होटल में रुकेगी।

बीनी प्रधानमंत्री ली किंग: बीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शिरकत नहीं कर रहे हैं। उनकी जगह पर प्रधानमंत्री ली किंग

चीन के प्रधानमंत्री ली किंग: चीन के प्रधानमंत्री ली किंग

अंस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बानीजी: ऑस्ट्रेलियाई

प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीजी इंडियान ट्रॉपिकल में रहेंगे।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रॉप: कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रॉप ला होटल में रहेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बानीजी: ऑस्ट्रेलियाई

प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीजी इंडियान ट्रॉपिकल में रहेंगे।

गोल्डन ट्रॉप पहुंचे

ऑस्ट्रेलिया के सांसद बैड

अमृतसर का ऑस्ट्रेलिया के

विकासीया से सांसद बैड बैटिन गुरुवार को अमृतसर पहुंचे।

अमृतसर को आने ही सबसे पहले वह गोल्डन ट्रॉपल नतमस्तक होने पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के कुछ ऑफिशियल्स के साथ पहुंच सासद बैड वे पंजाबियों के

सम्मान में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिससे पंजाबियों का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है। वहाँ उड़ाने भारत से मजबूत हो रहे रिश्तों के बारे में भी कहा।

आधा दर्जन अमेरिकी उपरान्तों

से इंपोर्ट इयूटी हाटी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)।

राष्ट्रपति जो बाइडन के भारत आने से पहले भारत सकर ने बादाम, सेब, अंडा और जानूर जैसे

उपायों पर लाने वाली इंपोर्ट इयूटी को हाटा दिया है। सरकार के

इस फैसले से चना पर 10%,

मसूर दाल पर 20%, तज़ी या

सूखे गाम पर 20% प्रति

किलो, छिकोंके वाले बादाम से 20

रुपये प्रति किलो, छिकोंके वाले

अखोरेट से 20% और सेब से

20% इयूटी हाटी जी है। भारत

ने साल 2019 में अमेरिका से

इंपोर्ट होने वाले 28 प्रोटेस्ट पर

120% तक यह इयूटी लगायी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कूलिंग-ऑफ

पॉरियड की मांग खारिज की

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 6 सितंबर

को रिटायर्ड जजों के रजनीतिक पद

लेने से पहले 2 साल का कूलिंग-ऑफ

पॉरियड पूरा करने की मांग को खारिज

किया। जांचे लायर्स एसियानेशन ने

भाग की थी कि सुप्रीम कोर्ट और

हाइकोर्ट के जजों के रिटायर्ड और

राजनीतिक पद लेने में दो साल का

अंतर जरूरी होना चाहिए।

FLORENCE

Group of Institutions

(A Unit of: Haji Abdur Razaque Educational Society)

Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

Admission OPEN 2023-24

PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available

NURSING ANM GNM DRESSERS MULTY ECN X-RAY OPHTHALM BASIC B.Sc. M.Sc. ASSISTANT Separate Hostel For Boys And Girls M: 9031231082, 7903999411, 6205145470 E-mail : tscrirba@gmail.com Website : www.florenceinstirba.com

जी-20 के लिए दिल्ली तैयार

आने लगे मेहमान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन आज आयेंगे

- बाइडन को प्रधानमंत्री मोदी खुद दिल्ली के लिए बुक किये गये हैं।



300 कमांडो के सुरक्षा घरे में रहेंगे बाइडन

बाइडन को दिल्ली के मौजूदे होटल में ठहराया जायेगा। उनकी सुरक्षा के लिए अमेरिका की सीक्रेट सर्विस की टीम तीन दिन पहले ही भारत पहुंच चुकी है। बाइडन सीक्रेट सर्विस के तीन सौ कमांडो के सुरक्षा घरे में रहेंगे।

दिल्ली की सड़कों पर निकलने वाला सबसे बड़ा काफिला भी उक्ता ही होगा, जिसमें 55 से 60 गाड़ियां शामिल होंगी। बाइडन के लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित कार 'द बोर्स' को भी भारत लाया गया है। इसी कार में बैठकर रिसीव कर सकते हैं।



10 हजार फीट की ऊंचाई पर लहराया जी-20 का झंडा

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। पूरे देश में जी-

20 की चर्चा है। हर कोई अपनी तरफ से खुशी

जाहिर कर रहा। इस खास मोके पर बायु सेना

स्टेशन मध्य द्वीप पर तैनात विं कमांडर जानांद

यादव ने नीले आकाश में जी-20 शिखर

सम्मेलन का जशन मनाया। भारतीय वायुसेना

के विं कमांडर जगदंदे ने गुरुवार का 10 हजार

फीट से कोई डाइविंग करते हुए जी-20 का झंडा

फहराया। वीडियो के बैंकार्ड में बॉलीवुड की

फिल्म '83' का 'लहरा दो जाना बज रहा है।

विं कमांडर दोनों हाथों से जी-20 का झंडा

लहरा रहे हैं। इसका वीडियो खबर वायरल हो रहा।

वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 8

सितंबर को द्विपक्षीय बैठक भी

करेगी।

सम्मेलन में 30 देशों के

प्रमुख हो रहे शामिल: जी-20

शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले,

यूनाइटेड किंगडम, जापान,

सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य,

मिस्र, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य

अमेरिका, कनाडा, चीन, संयुक्त

अरब अमीरात, ब्राजील,

इंडोनेशिया, तुर्की, स्पेन, जर्मनी,

फ्रांस, मॉरीशस, यूरोपीय संघ,

सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका

शामिल हैं।

इंडोनेशिया, तुर्की, स्पेन, जर्मनी,

फ्रांस, मॉरीशस, यूरोपीय संघ,

सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका

शामिल हैं।

इंडोनेशिया, तुर्की, स्पेन, जर्मनी,

फ्रांस, मॉरीशस, यूरोपीय संघ,

सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका

शामिल हैं।

इंडोनेशिया, तुर्की, स्पेन, जर्मनी,

फ्रांस, मॉरीशस, यूरोपीय संघ,

सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका

शामिल हैं।

इंडोनेशिया, तुर्की, स्पेन, जर्मनी,

फ्रांस, मॉरीशस, यूरोपीय संघ,

</

श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति : दही-हांडी फोड़ प्रतियोगिता का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

सनातन धर्म को कोई मिटा नहीं सकता: राज्यपाल

■ हमें प्रण लेना है भारत को शीर्ष स्थान पर पहुंचाकर दम लेना है : सीपी राधाकृष्णन

■ मंच से राज्यपाल ने कहा- भारत माता के चरणों को स्पर्श करता हूं

■ कहा- अत्यंत खुशी का विषय है जो संजय सेठ के नेतृत्व में यह आयोजन हो रहा है



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में अल्बर्ट एक्वाचॉक पर दही-हांडी फोड़ प्रतियागिता का आयोजन

किया गया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मंच पर सुशोभित हांडी को नारियल से फोड़कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने मंच से अपने संबोधन से पहले जय श्री राम और बाँके बिहारी का नारा लगाया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को कोई मिटा नहीं सकता। हमें प्रण लेना है कि भारत को शीर्ष स्थान पर पहुंचाकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कोई भी सनातन धर्म का नाश नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि आज यहां उपस्थित हर युवा श्री कृष्ण है। साथ ही सभी लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। इस उपलक्ष पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय सेठ, आदित्य साहू, कर्मवीर सिंह, सीपी सिंह, समरी लाल, रामकुमार पाहन, आशा लकड़ा संजीव विजयवर्गीय अजय मारू सहित समिति के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि राज्यपाल सहित अन्य अतिथियों को पुष्ट गुच्छ, अंग वस्त्र व मोमेटो देकर उनका स्वागत किया गया। आयोजन समिति की ओर से संसद व समिति के संरक्षक संजय सेठ ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने संस्था के द्वारा प्रारंभिक कार्यों की पूर्ण जानकारी रखी। भक्तिमय भजनों की उत्सव स्थल पर हुई अमृत वर्षा संग नृत्य नाटिका का अद्भुत संगम ने लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर कानपुर से पथरे तिलकधारी, पटना के शुभम जटाधारी, इलाहाबाद के भजन सम्प्राट रेहित पर्डित संग श्याम दीवानी दो बहनों के द्वारा अद्भुत भजनों की गंगा का प्रवाह कार्यक्रम पर होता रहा। भक्तों ने भगवान् श्री कृष्ण के भजनों पर जमकर अमृत स्नान

A photograph of two Indian men in traditional attire. The man on the left wears a light orange kurta and a yellow checkered dhoti, and has a mustache. The man on the right wears a white kurta and a yellow vest, and has a beard. They are both smiling and holding a small white statue of a deity with a blue crown and a pink cloth wrapped around its middle. The background is a colorful, patterned backdrop.

किया। कृष्ण के भजनों ने लोगों
को दीवाना बना दिया।
कार्यक्रम को सफल बनाने में
जिला प्रशासन, स्थानीय थाना एवं
नगर निगम का भी भरपूर सहयोग
प्राप्त हआ।

A wide-angle photograph capturing a massive crowd of people in a city street at night. The scene is filled with bright lights from surrounding buildings and a prominent crane on the right side. In the center, several men are working together to lift a person high into the air using ropes attached to the crane. The crowd, consisting mostly of young men wearing yellow shirts, surrounds the base of the crane and the suspended individual, creating a sense of a major public event or celebration.

ПАПА ПРЕДЕЛ

प्रथम पुरस्कार
महिला गोविंदा को
महिला गोविंदा में तीन टीमों ने हिस्सा लिया। हाँडी की हाइट 15 फिट रखी गयी थी। इसमें मांडर महिला टीम ने 32 सेकेंड में हाँडी फोड़ प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम को 51000 हजार नगद, शील्ड का पुरस्कार राज्यपाल ने दिया। दूसरे स्थान पर बुसु महिला टीम ने 51 सेकेंड में मटकी फोड़ी। उन्हें 21000/-की राशि व शील्ड राज्यपाल ने दिया तृतीय पुरस्कार, चडरी सरना महिला समिति ने 1 मिनट 13 सेकंड पर मटकी फोड़ी। इनको 5100 की राशि उनको दी गयी।

आयोजन की सफलता में इनका रहा सहयोग

संरक्षक संजय सेठ, सीपी सिंह, अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा, महासचिव जवाहर तनेजा, रमेंद्र कुमार, राम बांगड़, कुणाल आजमानी, मिडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत, संजय पोदार, संजय जयसवाल, राज वर्मा, ललन श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, भीषम सिंह, नीरज चौधरी, सतीश सिंहा, राजीव सहाय, रविंद्र मोदी, नीरज चौधरी सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में पुरुष गोविंदा के लिए हांडी की ऊंचाई 25 फीट, वहीं महिला गोविंदा के लिए 15 फीट की ऊंचाई रखी गयी थी। आयोजन समिति के द्वारा 5 मिनट का समय सभी टीमों को दिया गया था। पुरुष एवं महिला गोविंदा अपनी टीमों के साथ अलग-अलग रंग की टी शर्ट में थे। प्रत्येक टीम में 25 से 30 गोविंदा शामिल थे।

श्री श्याम मित्र मंडल ने भव्य रूप में श्री श्याम मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव मनाया

अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारायणिया के नेतृत्व सभी कार्यक्रम आयोजित हाएँ।

आजाद सिपाही संवाददाता

इसके पहले खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान वैदिक रीति विराज के अनुसार मंदिर के आचार्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सह मंडल के मंत्री गैरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि जन्माष्टमी का प्रसाद केसरिया पेड़ा बादाम की बर्फी धनिया की पंजरी आदि का प्रसाद मंदिर में ही निर्मित किया गया था। लड्ढ गोपाल के झूले को बहुत ही सुंदर रूप से सजाया गया था जिससे देख भक्त भाव विभोर हो रहे थे भक्त अपने काहा को झूले में देख कर खुद से ऐसा कह रहे थे।

डोरंडा में जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। श्री शिव मंदिर महावीर मंदिर
न्यास समिति डोरंडा के तत्वाधान में
जन्माष्टी का भव्य आयोजन किया
गया। कार्यक्रम का शुभरांभ दीप
प्रज्ज्वलित कर किया गया। अशोक
सिंह ने माल्यार्पण किया। पंडित
आशुतोष मिश्रा ने गणेश वंदना एवं
श्री हरि प्रसाद विजय ने गीता क्षोक
का पाठ किया। पूरे मंदिर परिसर को
सजाया गया विशेषकर श्री राधा
कृष्ण मंदिर का सिंगार कोलकाता से
आये कारीगरों द्वारा बड़े ही
आकर्षक ढंग से अपनी कला का

ये रहे विजेता

निर्णयिक मंडली ने अपने निर्णय

**अनुसार ० से ३ बच्चों के ग्रुप में
बंपर पुरस्कार- दिव्यान विजय
प्रथम पुरस्कार- मरली शर्मा
मन्त्रित निवार, द्वितीय पुरस्कार-
हृदया, तृतीय- रोशनी चंदन,
विवान, विराज, त्रिशंग विजय।**

**४ से ८ वर्ष बच्चों के ग्रुप में
वर्षा पुरस्कार- अनन्या कर्मकार
प्रथम- सात्विक लाल
द्वितीय- अभियोग**

**वर्ष ९ से १२ वर्ष के ग्रुप में
बंपर पुरस्कार- सान्धी विजय
प्रथम - मोहनी कुमारी
द्वितीय - अर्पिता चौरसिया
तृतीय - माही कुमारी
श्रेष्ठ गायन के लिए
दिव्यांग चक्रवर्ती
एवं शेष सभी प्रतिभागियों को
सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये
गये।**

विजय, गजेंद्र राम, मनीष विजय, रुपेश शारदा, अनिल विजय, नीरज विजय, आनंद गुला, अनिल गुला, मयूर शारदा, राजेश विजय, तथा इनमें विजय एवं स्वर्ण वितरण किया गया। कार्यक्रम में रांची के विधायक सीपी सिंह, पूर्व गृह राज्य मंत्री सुबोध कांत सहाय, पूर्व उप महापौर संजीव विजयवर्गीय भैरव थे।



वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रात्री	27.4 °C	22.2 °C
सूर्योदय (आज)	18.02 बजे	
सूर्योदय (कल)	05.33 बजे	

भारत जोड़ो यात्रा की पहली वर्षगांठ पर प्रदेश कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा जन आंदोलन है भारत जोड़ो यात्रा : अविनाश पांडे

भारत जोड़ो यात्रा का इतिहास स्थानी से नहीं परीने से लिया गया: योजना ताकूर

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। झारखंड कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की पहली वर्षगांठ पर गुरुवार शाम राजधानी रांची में शहीद स्थल से पथयात्रा निकाली, जो अलर्ट एकता चौक, प्लाजा चौक, लालपुर चौक, होते हुए विस्ता समाधि स्थल, कोकर तक पहुंची। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नफरत छोड़ी भारत जोड़ो के नारे लगाये। विरसा समाधि स्थल पहुंचने के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भगवान विस्ता मुदा को ऋद्धांजलि अर्पित की और सभा किया। सभा को संबोधित करें और हुए झारखंड प्रधारी अविनाश पांडे ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा एकता और प्रेम की दिशा में उठाये गये करोड़ों कदम देश की बेहराह कल की नींव बन गयी और यह नफरत मिटाने और भारत को एक होने तक जारी रहगी। हमें भारत के लिए अपने बलियों और प्रतिवदियों पर गर्व है। उहोंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा जनआंदोलन है। यह यात्रा आर्थिक असमानताओं, महगाई, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए की गयी थी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश



ठाकुर ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का इतिहास स्थानी से नहीं परीने से लिया गया है। गहुल गांधी ने जिस मकासद से कन्याकुमारी से लेकर कशीमी तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, उसके लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। भाजपा जितनी भी नफरत करता है उसके सामना करेंगे। देश के अंदर विवटनकारी शक्तियां सक्रिय हो गयी हैं। ऐसे में गहुल गांधी ने मोहब्बत का पैगाम को भी संबोधित किया। इस अवसर पर लेकर लंबी पदयात्रा की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने

कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में लोकतंत्र खतरे में पड़ता जा रहा है और वर्तमान केंद्र सरकार देश के संविधान को तोड़ मरोड़ कर अपने हिसाब से इस्तेमाल करके उसे नष्ट करने की साजिश कर रही है। सभा को कृषि मंत्री बाबू बत्रेलेख, विधायक फैलाने की कोशिश करे हम महानगर अध्यक्ष डॉ कुमार राजा, डॉ राकेश किरण महो, गुरुन सिंह और अधिकारी सिंह ने गांधी ने मोहब्बत का पैगाम को भी संबोधित किया। इस अवसर पर लेकर लंबी पदयात्रा की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने

9 और 10 सितंबर को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम में विशेष अभियान चलायेगी भाजपा : प्रदीप वर्मा

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। प्रदेश भाजपा आगामी 9 एवं 10 सितंबर को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत गांव एवं शहरों में घर-घर से मिट्टी संग्रह का अभियान चलायेगा। यह रांची में उपलब्ध नहीं होने वाले से एक मुट्ठी चाला लिये जायेंगे। यह जानकारी प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने

सभी घोरे से होगा गिरी का संग्रह, अभियान में पार्टी के सभी प्रदानिकारी, जनानिनिधि एवं कार्यकर्ता होंगे शामिल।

बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के दौरान लोहदारा से अभियान का शुभारंभ किया है। बताया कि प्रत्येक गांव में हर घर से मिट्टी संग्रह के अतिरिक्त प्रत्येक गांव में 75 पौरी लगार अमृत वाटिका निर्माण, शहीदों के गांव में विद्यालय में शिला फलकम लगावाना तथा गांव स्तर पर पूर्ण प्रण त्रिज्ञान के प्रतिज्ञा प्रदेश में कलश के समान के साथ प्रदेश में कलश भेजने के कार्यक्रम आयोजित होंगे। बताया कि 25 से 28 अक्टूबर तक सभी 263 ब्लॉक से आये अमृत कलश



को प्रदेश मुख्यालय में सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित कर दिल्ली भेजना है। सार्वजनिक कार्यक्रम में सासद, विधायक गण शामिल होंगे। डॉ वर्मा ने बताया कि दिल्ली में निवास करने वाले विभिन्न प्रदेशी के लोग अपने प्रदेश से आये कलश का दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पारंपरिक भें भूषा के साथ स्वागत करेंगे।

बताया कि 29 एवं 30 अक्टूबर को इन अमृत कलशों में लायी गयी मिट्टी दिल्ली कर्तव्य पथ पर शहीदों के समान में बनने वाली अमृत वाटिका में समर्पित की जायेंगी। किंतु इसके अतिरिक्त अधिवासाद कवरावाल का ठारावर अजमेर एवं सप्तप्रेस का ठारावर सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी 9 सितंबर पर कलश लेकर आये स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे।

उस ब्लॉक के गांव की मिट्टी होगी। ब्लॉक में सामूहिक रूप से सांस्कृतिक एनसीसी कैडेट, एनएस, स्काउट, युवा, महिला, जिसान सभी को शामिल कर रही हैं। किंतु इन सभी को ज्ञान और विकास के लिए अपने अमृत कलश का दिल्ली रेलवे स्टेशन में सांस्कृतिक एवं सामाजिक अवधारणा पर ध्यान देना चाहिए।

अन्यथा इन सभी को ज्ञान और विकास के लिए अपने अमृत कलश का दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ध्यान देना चाहिए।

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। गिरिडीह संसाद चंद्र प्रकाश चौधरी ने अपने प्रतिज्ञा प्रदेशी के लिए अपने अमृत कलश का दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ध्यान देना चाहिए। इन सभी को ज्ञान और विकास के लिए अपने अमृत कलश का दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ध्यान देना चाहिए।



यह आमहत्या नहीं हत्या, सीबीआई करे जांच

दिया गया है। हमारी मांग है कि मुक्त का फिर से पोस्टमार्टम हो। मॉडिकल बोर्ड का गठन हो। इस हत्या की सीबीआई जांच हो। वहाँ की राज्य सरकार, जिला प्रशासन और संस्थान का रवैया पक्षपातॄ है। झारखंड सरकार इसे गंभीरता से ले और सीबीआई जांच कराये।

परिज्ञानों ने कोतवाली थाना में

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था एवं उसी सीबीआई में रिसर्च स्कालर भी थे। 5 सितंबर को सुबह करारों को फैसला दिया गया था। जिसके बाद उसके बड़े भाई और सीबीआई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका पैर जमीन पर मिला। उसके बाद उसका शरीर लंबाई के अन्तर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। जिसके बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय में असीरिटेंट प्रोफेसर के पद पर योगदान दिया था। इन सभी कारणों से यह आमहत्या हो गई है। धरन विवरण में विविध संज्ञा से लिया गया है। इसे मारने के बाद उसका शरीर लंबाई के अंतर्गत विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय में

स्टार्ट सिटी

सरला विरला पब्लिक स्कूल में मना जन्माष्टमी महोत्सव

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। सरला विरला पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। बच्चों ने बांसुरी बनाना, मटका बनाना और भगवान कृष्ण की मुकुट सजावट जैसी कई मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। बच्चों ने मिट्टी के बर्तनों और बांसुरी को सुंदर सितारों, रिबन और मोर पंखों से सजाकर अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का परिशंखा दिया। बच्चों ने कृष्ण और राधा बनकर डाँड़िया नृत्य का प्रदर्शन किया। स्कूल परिसर में कृष्ण के जीवन की घटनाओं को दर्शाएं हुए, एक सुंदर नृत्य का प्रदर्शन किया गया तथा।



गिलारे को भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़े दृश्यों से सजाया गया। विद्यालय के कार्मिक एवं

दुर्गा पूजा में आने वाले असुविधा के बारे में विस्तृत जानकारी लेंगे

रांची (आजाद सिपाही)। रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ अंजोत सहाय ने रांची जिला ग्रामीण दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्ष और मंत्री से संपर्क कर पूजा में आने वाले असुविधा के बारे में विस्तृत जानकारी लें। उपरोक्त जानकारी देते हुए महानगर के वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा ने बताया कि रांची जिला ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के निवर्तमान अध्यक्ष तंत्रशंख के संपर्क कर पूजा में आने वाले असुविधा के बारे में विस्तृत जानकारी लें। उपरोक्त जानकारी देते हुए महानगर के वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा ने बताया कि जिमेदारी दी गयी है कि वयस्थांश ग्रामीण दुर्गा पूजा कमेटी का गठन कर ग्रामीण क्षेत्र में होने वाले पूजा समितियों के कठिनालयों के बारे में जल्द से जल्द जानकारी महानगर समिति को उपलब्ध करायें, ताकि संबंधित विभागों से मिलकर होने वाले कठिनालयों को दूर किया जा सके। श्री वर्मा ने बताया कि आगामी 12 सितंबर मंगलवार से समिति की एक समिति चंचल चट्ठी, प्रदीप रंगी, राजवाल, रवींद्र वर्मा, संजय सिन्हा गोपू, महानगर के पूजा पंडाल में जाकर यह जानकारी लेंगे कि अपनी तक पूजा समितियों का चुनाव और अन्य तैयारी हो रही है कि नहीं। इस संबंध में अगर समितियों को मदद की जरूरत होगी तो उसका निदान किया जायेगा।

नगर निगम ने तलीन रांची-गीन रांची का दिया संदेश

रांची (आजाद सिपाही)। रांची नगर निगम ने इंटरनेशनल डे ऑफ कलीन एवं फॉर ब्लू स्काइज के अवसर पर गुरुवार को जागरुकता रैली निकाली। इस वर्ष का थीम ट्रॉपोर फॉर लाइन एवं यार था। रेली को संचारी नगर निगम के सहायक प्रशासक ज्योति कुमार सिंह ने निगम कार्यालय से रवाना किया। रेली का उड़ान रेली नीले आमना के लिए स्वच्छ हवा का होना और उसकी आवश्यकता तथ सभी शहरवासियों को मिलकर एक साथ सफ हवा के लिए समर्पित होना सुनिश्चित करना है। वह रैली नगर निगम कार्यालय से शहीद चौक होते हुए प्रमेयर अल्बर्ट एक्का चौक (फिरायाला चौक) तक निकाली गयी। रेली में नगर प्रबंधक, नगर अधियान प्रबंधक, निगम के कर्मचारियों और कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

मंटु यादव बने हटिया के शारदीय दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष

हटिया (आजाद सिपाही)। श्री जय माता दी दुर्गा पूजा समिति के द्वारा एकता नगर ओबरिया रोड, हटिया में बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मिति से आगामी शारदीय दुर्गा पूजा भव्यता के साथ बनाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही सहमति से मंटु यादव को कमेटी का अध्यक्ष, कार्तिक चौधरी और बुधाराम को उपाध्यक्ष, प्रदीप कुमार सिंह को सचिव, सर्वलेख कुमार और हरे राम सोनी को कोषाध्यक्ष, अजय कुमार को सह कार्यालय कुदन यादव को मेला पंडाल प्रभारी बनाया गया। इसके अलावे विनियोगी, नीरज अग्रवाल, प्रशांत सिंह, विपिन कुमार, सूरज सिंह, चंदन कुमार, मनोज महोत, ओमप्रकाश यादव, संजय सोनी, मुना यादव, सनी बैठा, विजय सिंह, नवीन कुमार तथा मनोज सिंह को कार्यकारियों सप्तस्य बनाया गया है।

6वीं से 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों के लिए सुनहरा अवसर

गोल ने छात्रों का बहुप्रतीक्षित परीक्षा (जीटीईसई) लांच किया

रांची। गोल टैलेंट सर्च एजेंसी (जी.टी.ई.एस. ई.) के माध्यम से बड़े शहर के छात्र ही नहीं, छोटे गांव, कस्बों और शहरों के प्रतिभाशाली बच्चों को भी कंपटीशन के लिए तैयार किया जाता है। इस एजेंसी के माध्यम से मेधावी छात्र और अर्थिक रूप से कमज़ोर छात्र अपने गोल पाने में कामयाब रहे हैं। कई लोगों ने काफ़ी बेहतर मुकाबला दिया है। इस टेस्ट के माध्यम से काफ़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने अपने सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिषेष में अपनी जागरूकता की जरूरत है, इस कारण से जीटीईसई के फॉर्म सभी तरह के स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध है। ऑनलाइन कॉर्म भरने की व्यवस्था भी की गयी है। छात्रों से 12वीं तक पढ़ने वाले स्टूडेंट्स पर जा कर 20 नवंवर तक ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। 26 नवंवर को ऑनलाइन परीक्षा होगी, इसमें स्टूडेंट्स अपनी सुविधानुसार मानवाल और लैपटॉप से परीक्षा दे सकते हैं।



जायेगी।

26 नवंवर को ऑनलाइन परीक्षा होगी, इसमें स्टूडेंट्स अपनी सुविधानुसार मानवाल और लैपटॉप से परीक्षा दे सकते हैं।

मुख्य परीक्षा 10 दिसंबर को ऑफलाइन जोन हेडक्वार्टर में होगा। गोल के मैनेजिंग डायरेक्टर विपिन सिंह ने बताया कि गोल संस्थान से पिछले 12 वर्षों में इस

परीक्षा के माध्यम से लगभग 3.75 लाख स्टूडेंट्स लाभान्वित हो चुके हैं।

हर वर्ष 100 शहरों के लगभग 300 छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप

प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने सभी को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दीं और छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी और रंगारंग नृत्य प्रस्तुति की सराहना की। प्राचार्य श्रीमती परमजीत कौर ने सभी को इस शुभ अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस कृष्ण जन्माष्टमी पर शम्भव अवसर के संकलन लेना चाहिए। उन्होंने छात्रों को यह भी बात दिया कि जन्माष्टमी के बाद भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि वह एक ऐसा त्योहार है जो प्रेम और कर्म का सदैश फैलाता है।

काली तांडव बना मुख्य आकर्षण का केंद्र



आजाद सिपाही संचाददाता

जांकी भी दिखायी गयी। साथ ही साथ छोटे-छोटे बच्चों ने बाल गोपाल राधा कृष्ण की प्रतियोगिता में झारखंड रांची डांस झारखंड के कलाकार ने बम भोले बम बम, रक्त चरित्र, और तांडव के साथ राधा कृष्ण, राम दरबार, मां दुर्गा की

, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और अने गनमैन व्यक्ति उपस्थित थे। जन्माष्टमी पूजा जीवन विधि से उपर्युक्त संस्कृत बंजर और उन्होंने पूरी टीम इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना हम भूमिका सिंह, राजसभा सांसद महुआ माझी

, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और अने गनमैन व्यक्ति उपस्थित थे।

द्वीपोद बनहोरा जतरा मैदान में करम पूर्व संध्या की तैयारी को लेकर बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। समाजसेवी अलबिन लंका और केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप की अध्यक्षता में द्वीपोद बनहोरा जतरा मैदान में करम पूर्व संध्या की तैयारी को लेकर बैठक किया गया। इसमें 21 सितंबर 2023 को करम पूर्व संध्या मनाने का निर्णय लिया गया।

इसमें मुख्य रूप से विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिता टोला खड़ाना नाच, जावा उठाव प्रतियोगिता, द्वाइबल ड्रेस फैशन शो, सामाजिक धार्मिक अगुवा को सम्मानित करने जैसे कार्यक्रमों का रूप रेखा किया गया।

जिसमें मुख्य रूप से पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कमड़े पंचायत मुख्यमंत्री नीलम तिर्की, सरपंच शिल्पा कच्छप, पूर्व मुख्यमंत्री सुनील तिर्की, सुका उत्तरांव, संजय तिर्की, युद्ध उत्तरांव, मुनूज उत्तरांव, ललित उत्तरांव, मोज बड़ो, रवि तिर्की, विकास तिर्की, रामवीर तिर्की, सहित अन्य उपस्थित थे।

बरियात, अरगोड़ा और हम्पु हृतिंग कॉलोनी में अतिक्रमण

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य आवास बोर्ड की ओर से संचारी प्रमंडल के अंतर्गत भू-संपदाओं के निरीक्षण की पहल शुरू हुई है। इस क्रम में 8 सितंबर को बोर्ड के प्रतियोगिता टोला खड़ान रांची के अलग-अलग इलाकों में विश्वास द्वारा आयोजित करने जैसे कार्यक्रमों का रूप रेखा किया गया।

जिसमें मुख्य रूप से विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिता टोला खड़ाना नाच, जावा उठाव प्रतियोगिता, द्वाइबल ड्रेस फैशन शो, सामाजिक धार्मिक अगुवा को सम्मानित करने के लिए जैसे कार्यक्रमों का रूप रेखा किया गया।

जिसमें मुख्य रूप से पूर

संपादकीय

सच का सम्मान करें

हे कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जाएगी जिस देश में एडिटर्स गिल्ड औफ इंडिया (ईजीआई) के अध्यक्ष और उसके फैक्टर फाइंडिंग टीम के सदस्यों को गिरफतारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़े। हालांकि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम जमानत देकर इस सबके सिर पर लटक रखी गिरफतारी की वात है, जो निश्चित रूप से गहर की वात है, लेकिन जहां युद्ध अपील बना हुआ है। ध्यान रहे, मणिपुर अगर मई महीने से ही हिंसा की लाटों से घिरा दिख रहा है और तमाम प्रयासों के बावजूद अभी तक ये लपें पूरी तरह शांत नहीं हो पार है, तो इसके पीछे एक बड़ी भूमिका गलत और ज्ञानी सूचनाओं के निरंतर प्रवाह की भी हो रही है। स्थानीय समुदायों के बीच दूरी आ गई जिसे फेक न्यूज और दृश्यचार अधिकारी और बढ़ाते रहे। इसी सदर्भ में इजीआई की फैक्टर फाइंडिंग टीम ने बताया कि कैसे 'सेवन तक' से परस्परविरोधी निवारित चलाए जाते रहे। इस रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस का एफआईआर दर्ज कर लेना जितना बेतुका और अपारिजनक है उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है खुद मुख्यमंत्री पर विरेन सिंह का

एडिटर्स गिल्ड औफ इंडिया (ईजीआई) ने मणिपुर विद्या पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे दोनों तरफ से परस्परविरोधी निवारित चलाए जाते रहे। इसके बाद मणिपुर पुलिस ने उनके द्वितीय दर्ज की। इजीआई को गिरफतारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाना पड़ा।

रिपोर्ट आलोचना से ऊपर नहीं होती। उस पर सबाल भी उठाए जा सकते हैं और उससे असहायी भी मुख्यमंत्री कुछ पत्रकरणों को देखदानी और व्यवस्था विरोधी बताने लग जाए तो उससे बेहतर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने में कोई मदद नहीं मिलती। इस तरह की पुलिस कार्रवाई से मैटिड्या का स्वतंत्र कामकाज बाधित होता है। और करने की वात है कि राज्य के हिंसा पीड़ित लोगों के बीच रहत और पुनर्वास के कारों में मदद के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गतिहासियों में किसी मणिपुरी को स्थान नहीं मिलता तो इसके पीछे भेदभाव और प्रशापन की आशंकाओं को खत्म करने की ही बाबत होती है। राज्य सकार ने अपने अपसरों को संशल मैटिड्या सुप्रीम से हटाने को कहा तो उसके पीछे ये खबरें थीं कि नौकरशाली और पुलिस में जातीय अधार पर विभाजन दिख रहा है। ऐसे माहौल में व्यवस्था बहाल करना आसान नहीं होता। इसके लिए कड़वे सच को न सिर्फ सुनाना होगा बल्कि उसे स्वीकार करना और उससे निपटना भी होगा। संवाद और सूचनाओं के प्रसार पर लगी रोक हटाने हुए राज्य से बाहर के मैटिड्या को भी पूरी पहचान देनी होती है। परं विरेन सिंह सरकार इजीआई सदस्यों के खिलाफ दायर एफआईआर को वापस लेने की प्रक्रिया के साथ इस दिशा में सही शुरुआत कर सकती है।

अभिमत आजाद सिपाही

भारत नई उमरी व्यवस्था में मानव पूजी की केंद्रीय भूमिका को स्वीकार करता है। शिक्षा और कौशल से लैस लोग आज की ज्ञान के अधिकारी निम्न एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे अकेले ज्ञान की सीमा का विस्तार करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अतिरिक्त सफल नवाचारी और वैज्ञानिक खोजों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में असाधारण योगदान दे सकते हैं।

भारत का विशिष्ट प्रतिभा पूल: एक नयी वैश्विक व्यवस्था का अग्रदृष्ट

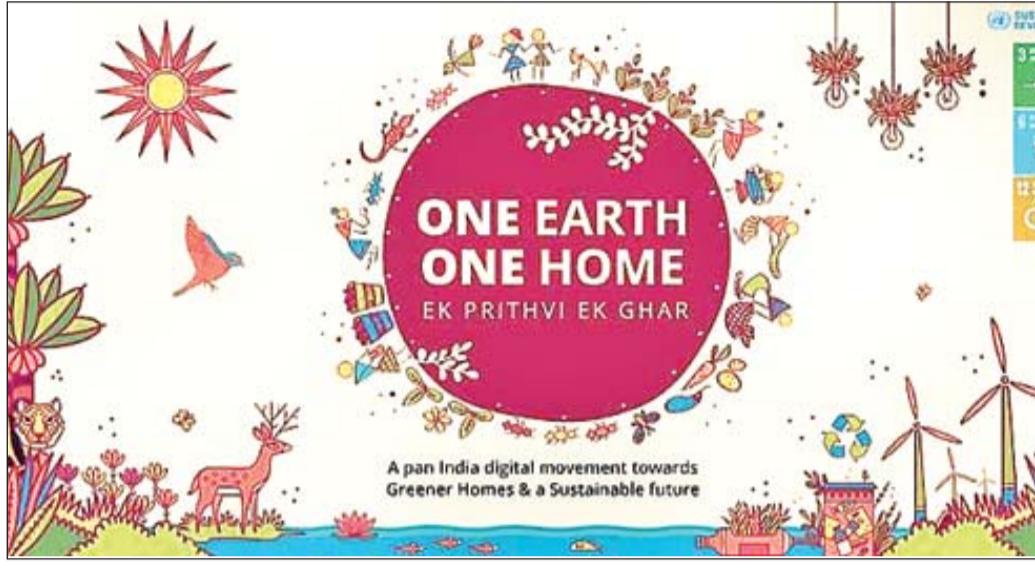
धर्मेंद्र प्रधान

भारत एक ज्ञान सभ्यता के रूप में अपने डीएनए में प्रतिभा का एक स्वाभाविक भंडार रखता है। अपने पूरे इतिहास में, भारत ने गणित, खोलोल विज्ञान, जितक्त्वा, दर्शन और साहित्य सहित ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्राचीन भारतीय गणितज्ञों के सम्बन्ध सिद्धांत और गणितीय विशेषण में अभूतपूर्व काम आधुनिक अनुसंधान को भी प्रभावित करता रहा है। ज्ञान सभ्यता के रूप में भारत का इतिहास अपने सम्बलीली शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक परिवर्ष को प्रभावित करता रहा है, जिससे यह वैश्विक कल्याण में एक महत्वपूर्ण योगदान करता है।

वैश्विक कल्याण के लिए जी-20 : भारत की जी-20 अध्यक्षता के द्वारा, चाहे वह कार्यकारी सम्झौते में हो या मत्रिस्तरीय सभा में सभी चर्चाओं में व्यापक वैश्विक कल्याण संयोजक रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम के हमारे प्राचीन मूल्यों में निहित जी-20 का विषय 'एक पृथ्वी - एक परिवार - एक भविष्य' इस बात को रेखांकित करता है कि प्रति और विकास न केवल अपने लोगों के लिए है, बल्कि वैश्विक कल्याण के लिए है - जिसे हम विश्व कल्याण' कहते हैं - पूरे विश्व का कल्याण।

भारत एक ज्ञान सभ्यता के रूप में अपने डीएनए में प्रतिभा का एक स्थानीय मंडार देखता है।

चिन्हित किया है। भारत के मैक्रो-इकाईनामिक का आधार काफी मजबूत है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अंतर्व्यवस्थाओं में से एक है। भारत अब को समय में तीसरी सबसे बड़ी अंतर्व्यवस्था बनने की



भारत वैश्विक कल्याण के लिए एक विशाल प्रयोगशाला है। 21वीं सदी ज्ञान की सदी होने के नाते नई प्रौद्योगिकियां एक नई व्यवस्था का अग्रदृष्ट होंगी और भारत अपने विशाल पूल के साथ इस नई व्यवस्था को आकार देने में सबसे आगे है।

क्षमता के साथ पांचवीं सबसे बड़ी अंतर्व्यवस्था है।

शिक्षा की जननी : ज्ञान और कौशल के माध्यम से मानव पूजी जुटाना भारत की क्षमता को साकार करने को कुंजी है। शिक्षा 'जननी' है जो विकास की गति को चलाएगी और बनाए रखेगी। शिक्षा वह मातृ-शक्ति है जो नागरिकों को सशक्त बनाएगी।

नई शिक्षा नीति (एनडीपी) : मातृ दस्तावेज़ - भारत में शिक्षा को सामाजिक और सांस्कृतिक निहित, भविष्यांनुस्खी, प्रगतीशील और अग्रणीय बनाने के लिए एक व्यापक परिवर्तन करने के लिए एक व्यापक गार्डीय शिक्षा नीति तैयार की गई है। मजबूत वैचारिक समझ और स्थाना सुनिश्चित करने के लिए मातृ-शक्ति है जो एनडीपी को अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय-मद्रास और आईआईटी-दिल्ली के निम्न मातृशाला और अब धारी-यौंड में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए समझौता ज्ञान किया है।

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग-अकादमिक सहयोग एनडीपी का एक और प्राथमिकता है। एनडीपी के अंतर्गत स्कूली शिक्षा के लिए गार्डीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में सीखने को एनडीपी में प्राथमिकता दी गई है। मातृभाषा में शिक्षा संपर्क भाषाओं को प्रतिस्थापित नहीं करेगी, बल्कि उनका पूरक बनेगा। यह ज्ञान के लिए हालांकि एक विश्विक कल्याण के लिए ज्ञान की सहित, सभी शिक्षिक मार्गीं को सुचारू और आसान बनाएगी।

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को प्राथमिकता दी गई है। भारत को एक शीर्ष अंतर्याम स्थल बनाने के लिए एनडीपी 2020 का उद्देश्य फैक्टरी/छात्र आदान-प्रदान, अनुसंधान और शिक्षण सांस्कृतिक तथा विदेशी देशों के साथ वैश्विक कल्याणी ज्ञानों पर हस्ताक्षर करना है। आईआईटी-दिल्ली ने क्रमशः जांजीवार-तजिनिया और अब धारी-यौंड में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए समझौता ज्ञान किया है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे अकेले ज्ञान की सीमा का विस्तार करते हुए भावित करते हैं। राष्ट्रीय अनुसंधान फंडडेशन की व्यवस्था को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है। राष्ट्रीय विद्यार्थी पूल के माध्यम से राष्ट्रीय अनुसंधान और उत्तराधीन सहायता और वैज्ञानिक खोजों के माध्यम से राष्ट्रीय विद्यार्थी पूल के माध्यम से राष्ट्रीय अनुसंधान के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के लिए एक अंतर्गत उच्चव्यवस्था है।

भारतीय विद्यार्थी को साधारण भाषा में अपने विदेशी परिवर्तन करने के

